

रक्षा और परमाणु सहयोग में भारत-अमेरिका पहल

स्रोत: हदिसतान टाइम्स

अमेरिकी [राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार](#) ने भारत का दौरा किया और प्रौद्योगिकी एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में नवीन पहलों पर हस्ताक्षर किये।

भारत और अमेरिका के बीच कनि नवीन पहलों पर हस्ताक्षर हुए हैं?

- **असैन्य परमाणु सहयोग:** अमेरिका ने **भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को** लागू करने के लिये **भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC)** जैसी भारतीय परमाणु संस्थाओं पर **अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों** की आपूर्ति जैसे **प्रतिबंध हटाने की घोषणा की**।
- **सोनोबॉय सह-नरिमाण:** इसका उद्देश्य भारतीय नौसेना की **जल के भीतर खतरे का पता लगाने की क्षमताओं को बढ़ाना है**, विशेष रूप से पनडुबबयियों और अन्य शत्रुतापूर्ण जल के भीतर की वस्तुओं का पता लगाने में।
- **मिसाइल नरियात नयित्रण:** अमेरिकी NSA ने भारत को **MTCR** के अंतर्गत **मिसाइल नरियात नयित्रण के अद्यतन, अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ाने और सहयोग के नए अवसर सृजित करने के बारे में जानकारी दी**।
 - **भारत वर्ष 2016 में MTCR का सदस्य बना।**
- **ICET की उन्नति:** दोनों देशों ने **कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, दूरसंचार और अंतरिक्ष** जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग की पुष्टि की।

नोट:

भारत और अमेरिका ने कमज़ोर समुदायों को 'कट्टरपंथ से मुक्त' करके आतंकवाद पर अंकुश लगाने का नरिणय लया।

सोनोबॉय क्या हैं?

- **परचिय:** सोनोबॉय **एक्सपेंडेबल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल साउंड सेंसर हैं**, जसि जहाज़ों और पनडुबबयियों से जल के नीचे की आवाज़ों का पता लगाने और ट्रैक करने के लिये डिज़ाइन कया गया है।
 - इसका उपयोग मुख्यतः **पनडुबबी रोधी संघर्ष (ASW) में कया जाता है।**
- **कार्यप्रणाली:** इन्हें **कनसतरों में डाला जाता है**, जो जल से टकराने पर सक्रिय हो जाते हैं, तथा सतह पर **रेडियो ट्रांसमीटर** समेत एक **इन्फ्लेटेबल प्रणाली तैनात कर देते हैं**।
 - ये लगभग **24 घंटे तक सक्रिय रहते हैं** तथा **केवल एक बार कार्य करने के लिये डिज़ाइन कये गए हैं**।
- **संचार:** जल की सतह पर स्थति इन्फ्लेटेबल प्रणाली सोनोबॉय पर नज़र रखने वाले **जहाज़ या वमिन के साथ संचार बनाए रखती है**।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु सहयोग समझौता

- **परचिय:** इसे **123 समझौते** के रूप में भी जाना जाता है, यह भारत को ऊर्जा उत्पादन जैसे शांतपूरण उद्देश्यों के लिये **परमाणु ईंधन, प्रौद्योगिकी और रिएक्टरों तक पहुँच प्रदान करता है**, भले ही भारत **परमाणु अपरसार संधि (NPT)** पर हस्ताक्षरकरता नहीं है।
- **प्रमुख घटक:** भारत ने परमाणु सामग्री के शांतपूरण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिये अपनी **असैन्य परमाणु सुवधियों को IAEA सुरक्षा उपायों के अंतर्गत रखने पर सहमतिव्यक्त की**।
 - अमेरिका ने भारत के वसितारति होते शांतपूरण परमाणु क्षेत्र के साथ व्यापार को सक्रम बनाने के लिये **NSG से छूट मांगी**।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????

प्रश्न 1. भारत में, क्यों कुछ परमाणु रएिक्टर " आई.ए.ई.ए. सुरक्षा उपायों" के अधीन रखे जाते हैं जबकि अन्य इस सुरक्षा के अधीन नहीं रखे जाते ? (2020)

1. कुछ यूरेनियम का प्रयोग करते हैं और अन्य थोरियम का
2. कुछ आयातित यूरेनियम का प्रयोग करते हैं और अन्य घरेलू आपूर्तिका
3. कुछ वदिशी उद्यमों द्वारा संचालित होते हैं और अन्य घरेलू उद्यमों द्वारा
4. कुछ सरकारी स्वामत्ति वाले होते हैं और अन्य नजीी स्वामत्ति वाले

उत्तर: (b)

प्रश्न 2: भारत के संदर्भ में 'अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई.ए.ई.ए.)' के 'अतिरिक्त नयाचार (एडीशनल प्रोटोकॉल)' का अनुसमर्थन करने का नहितार्थ क्या है? (2018)

1. असैनिकि परमाणु रएिक्टर आई.ए.ई.ए. के रक्षोपायों के अधीन आ जाते हैं ।
2. सैनिकि परमाणु अधषिठान आई.ए.ई.ए. के नरीक्षण के अधीन आ जाते हैं ।
3. देश के पास नाभिकीय पूरतकिरता समूह (एन.एस.जी.) से यूरेनियम के कर्य का वशिषाधिकार हो जाएगा ।
4. देश स्वतः एन.एस.जी. का सदस्य बन जाता है ।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/india-us-initiatives-in-defence-and-nuclear-cooperation>

